In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Uttar Pradesh Reorganisation Bill, 2000, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 1st August, 2000.

Sir, I lay a copy of the Bili on the Table.

## MATTER REFERRED TO COMMITTEE OF PRIVILEGE

**डा. स्वामी साक्षी जी महाराज** (उत्तर प्रदेश)ः माननीय सभापति जी, मुझे आपके संरक्षण की आवश्यकता है। आज के समाचार-पत्रों में बेहद वेदना पहूंचाने वाला एक समाचार छपा है कि मेरे खिलाफ कोतवाली नगर, एटा में अपहरण, चोरी, डकैती, धमकाने और बलात्कार की एफआईआर दर्ज हुई है। मेरे लाख प्रयास करने के बाद भी मुझे अब तक एफआईआर की कापी नहीं मिली है। लोक सभा के सदस्य कुंवर देवेन्द्र सिंह, मेरी पार्टी के उत्तर प्रदेश के नेता माननीय मुलायम सिंह जी के भाई श्री शिवपाल सिंह जी स्वयं कोतवाली में एफआईआर की कापी लेने के लिए गए थे। लेकिन वह प्राप्त नहीं हो सकी है।

सभापति महोदय, कल तीन बजे प्रातःकाल डीएम, एटा का टेलीफोन मेरे पास आया कि साक्षी जी महाराज आपके खिलाफ बहुत बड़ी कार्रवाई होने वाली है आप मुलायम सिंह जी के पास चले जाईये, अगर वह बचा सकें तो आपको बचा लें। मैं चार बजे दौड़ा-दौड़ा दिल्ली आया और अपने नेता माननीय मुलायम सिंह जी से मिला। मैंने उन्हें स्थिति बताई कि कुछ शंका लग रही है कि पता नहीं क्या होने वाले हैं। आप माननीय आडवाणी जी से और वाजपयी जी से बात कर लीजिए। नेता जी ने कहा कि मैं उनसे बाद में बात करूंगा, पहले मैं पुलिस कप्तान से बात करता हूं कि आखिर क्या बात है। उन्होंने कल साढ़े आठ बजे पुलिस कप्तान एटा से बात की। उन्हें पुलिस कप्तान ने कहा कि साहब कोई नहीं है। यह ऐसे ही झूठी अफवाह है, कुछ नहीं होने वाला है। आपको याद होगा कि मुझे शंका थी इसीलिए मैंने कल भी लिखकर दिया था कि शुन्यकाल में मैं बोलूंगा। लेकिन जब पुलिस कप्तान ने यह कह दिया कि कुछ नहीं होने वाला है, मेरी पुलिस कप्तान से बात हो गई है, सारी बातें गलत हैं इसलिए मैं कल इस विषय पर नहीं बोला।

सभापति जी, वहां के जिलाधिकारी और एसएसपी सारे देश में विख्यात हैं। वहां पर 'दैनिक जागरण' के कार्यालय में उन्होंने ताला लगवाया। वहां के विधायक शिशुपाल के यहां उत्पीड़न की दृष्टि से दसियों बार छापा डलवाया। वहां के विधायक रामेश्वर सिंह का उत्पीड़न किया। यह सर्वविदित है कि वहां के जिलाधिकारी और वहां के एसएसपी सुरा-सुंदरी के रस में हर समय तल्लीन रहते हैं, उन्हें जिले की चिन्ता नहीं है, किसी जनता की चिन्ता नहीं है।....

**श्री सभापति**: यह डिटेल में जाने की बात नहीं है। आपने जो बात अपने बारे में कही है, उसे आप लिखकर दे दीजिए और हम उसको एक्जामिन करेंगे।....(**व्यवधान**)...

**श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंहल (उत्तर प्रदेश)**: सर, जो व्यक्ति यहां पर नहीं है ....(**व्यवधान**)...

**डा. स्वामी साक्षी जी महाराज**: मेरे साथ गाली-गलौज हुई है। मेरे साथ बदतमीजी हुई है। श्रीमन, मैं लिखकर भी दूंगा। आप मेरी बात सुनिए।...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति**: आप लिखकर दीजिए, हम ऐग्ज़मिन करेंगे।....(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराजः** मेरे साथ बदतमीजी हुई है, मेरे खिलाफ इतनी एफ.आई.आर. दर्ज हो रही हैं, मुझे आपका संरक्षण चाहिए और मैंने यहां पर अपनी बात कहने के लिए लिखकर दे रखा है। ....(**व्यवधान**)...

**श्री सुरेश पचौरी** (मध्य प्रदेश)**:** यह सदन के सम्मान का प्रश्न है।....(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति**: मैं देख रहा हूं, मैंने इनको मैंशन करने की इजाजत दी है। ....(**व्यवधान**)...

**श्री सुरेश पचौरी**: इसको प्रीविलेज कमेटी के सामने प्रस्तुत कर दिया जाए। आज इनका प्रश्न है, कल सदन के किसी और सदस्य का प्रश्न हो सकता है।...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति**: बिल्कुल ठीक बात है, इसीलिए मैंने कहा कि आप मैंशन कर दें और तभी मैंशन करने की इजाजत दी गयी है।...(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराज**: सर, मैंने लिखकर दिया है इसलिए मुझे बोलने की अनुमति दी जाए।

**श्री सभापति**: अभी बोलने का समय नहीं है, आपने मैंशन कर दिया है। हमारे पास चिट्ठी आयी है।...(**व्यवधान**)...

**श्री जनेश्वर मिश्र** (उत्तर प्रदेश)**:** सर, सदन के किसी सदस्य को किसी जिले की पुलिस झूठे मुकदमे में फंसाने लगे तो यह तो विशेषाधिकार का सवाल है।...(**व्यवधान**)... इसलिए इसे प्रीविलेज कमेटी को भेज दिया जाए।...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति**: आपने लिखकर दिया है।

**डा स्वामी साक्षी जी महाराजः** वहां के जिलाधिकारी और एस.एस.पी ने मुझे जान से मारने की धमकी दी है।...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति**: आपने लिखकर दिया है।...(**व्यवधान**)...

**श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया** (उत्तर प्रदेश)**:** इसको प्रीविलेज कमेटी को भेजा जाए। ....(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराजः** सर, मेरा आपसे निवेदन है कि मुझे सुन लिया जाए। ...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति**: हम इसको ऐग्ज़ामिन करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराजः** मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं और आपका संरक्षण चाहता हूं कि सारे का सारा केस तत्काल विशेषाधिकार समिति को दिया जाए। ...(**व्यवधान**)...

**एक माननीय सदस्य**: आपके सिवा इनका संरक्षण कौन करेगा?...(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराज**: सर, जो आरोप मुझ पर लगाए गये हैं, उसके बाद मैं यह कपड़े पहनने के काबिल नहीं रहा हूं। मेरा निवेदन यह है कि यह केस विशेषाधिकार समिति को जाना चाहिए और अगर सरकार इस मामले में निष्पक्ष है, ईमानदार है तो तत्काल इस केस को सी.बी.आई. को भेजा जाना चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए और मैं जीवित रह सकूं।...(**व्यवधान**)... श्रीमन्, मेरा निवेदन है कि अगर यह केस सी.बी.आई. में नहीं गया, विशेषाधिकार समिति में नहीं गया तो कल से मैं आमरण अनशन करूंगा।...(**व्यवधान**)...

**श्री मोहम्मद सलीम** (पश्चिम बंगाल)**:** सर, यह जो प्रश्न यहां पर उठा है, इस पर चर्चा न करके अगर आप खुद इसे देखते हैं . क्योंकि यह मैंबर के अधिकार का मामला है इसलिए कोई घटना होने से पहले आप...(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराज**: सर, मुझे आपके संरक्षण की आवश्यक्ता है। ...(**व्यवधान**)... कारण सबको पता है।....(**व्यवधान**)... 15 बरस मैंने बी.जे.पी की सेवा की लेकिन 15 दिन मैंने बी.जे.पी का विरोध किया और जो कुछ हुआ, वह सबको दिखाई दे रहा है कि क्या होने वाला है। ....(**व्यवधान**)...

**श्री नरेन्द्र मोहन** (उत्तर प्रदेश)**:** सर, यह गंभीर मामला है।...(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराज**: उसी के कारण...(**व्यवधान**)... उनका प्रयास है कि रेप का आरोप लगाकर मुझे जेल में बंद कर दिया जाए और उत्तर प्रदेश की विधान सभा के चुनाव हो जाएं।...(**व्यवधान**)...

**एक माननीय सदस्य**: अरे सुन लें, वह ठीक कह रहे हैं।...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I am sending your letter to the Privileges Committee. *...(Interruptions)...* We can't send it to the CBI. We will send it to the Privileges Committee. *...(Interruptions)...*

**डा स्वामी साक्षी जी महाराजः** सर, मैं इतने तनाव में हूं कि मुझे ब्रेन हैमरेज हो सकता है। मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं कि यह सारे का सारा मामला विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए। अगर सरकार ईमानदार है तो सी.बी.आई. से जांच होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होगा तो महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने आमरण अनशन करूंगा और आत्मदाह भी कर सकता हूं। इसलिए इस सदन और आपका...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति**: मैं प्रीविलेज कमेटी को इनका लैटर भेज रहा हूं।...(**व्यवधान**)...

**डा स्वामी साक्षी जी महाराजः** सर, मैं सदन और आपका धन्यवाद करता हूं।